



## भारत में युवा शक्ति और बढ़ती बेरोज़गारी: एक अध्ययन

तारा देवी <sup>1</sup>

<sup>1</sup> नेट अर्थशास्त्र, सहायक आचार्य vsy, राजकीयमहाविद्यालय देसूरी, जिला : पाली, राजस्थान.

### ABSTRACT:

भारत दुनिया की सबसे बड़ी युवा आबादी वाला देश है, जिसे उसकी सबसे बड़ी ताकत माना जाता है। लेकिन बेरोज़गारी की बढ़ती दर इस शक्ति को एक चुनौती में बदल रही है। युवा शक्ति का सही उपयोग नहीं होने के कारण आर्थिक और सामाजिक विकास पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। इस शोध पत्र में भारत में युवाओं की वर्तमान स्थिति, बेरोज़गारी के कारण, प्रभाव, और इससे निपटने के लिए संभावित समाधान पर चर्चा की गई है।

### KEYWORDS:

युवा शक्ति, बेरोज़गारी, भारत, आर्थिक विकास, कौशल विकास, रोजगार सृजन, सामाजिक प्रभाव, नीति निर्माण।

PAPER ACCEPTED DATE:

27<sup>th</sup> August 2024

PAPER PUBLISHED DATE:

30<sup>th</sup> August 2024

### विषय सामग्री

#### 1. परिचय

भारत 1.4 अरब से अधिक जनसंख्या वाला देश है, जिसमें लगभग 65% जनसंख्या 35 वर्ष से कम आयु की है। इसे "जनसांख्यिकीय लाभांश" के रूप में देखा जाता है। लेकिन बेरोज़गारी और रोजगार के अवसरों की कमी ने इस शक्ति को चुनौती बना दिया है। भारत में बेरोज़गारी की समस्या न केवल आर्थिक बल्कि सामाजिक विकास के लिए भी एक बड़ी बाधा है।

#### 2. भारत में युवा शक्ति का महत्व

1. **आर्थिक योगदान:** युवाओं की सक्रिय भागीदारी से अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलती है।

2. **नवाचार और प्रौद्योगिकी:** युवाओं के विचार और तकनीकी कौशल से समाज और उद्योग में नवाचार आते हैं।

3. **सामाजिक बदलाव:** युवा वर्ग सामाजिक मुद्दों पर जागरूकता फैलाने और सकारात्मक बदलाव लाने में अग्रणी भूमिका निभाते हैं।

#### 3. भारत में बेरोज़गारी की स्थिति

1. **वर्तमान स्थिति:** भारत में बेरोज़गारी दर दिसंबर 2023 तक 7.8% रही, जिसमें युवाओं का हिस्सा सबसे बड़ा है।

2. **शहरी बनाम ग्रामीण बेरोज़गारी:** ग्रामीण क्षेत्रों में मौसमी बेरोज़गारी अधिक है, जबकि शहरी क्षेत्रों में शिक्षित युवाओं में बेरोज़गारी दर अधिक है।

3. **संगठित बनाम असंगठित क्षेत्र:** अधिकांश रोजगार असंगठित क्षेत्र में

हैं, जहां वेतन और काम की सुरक्षा का अभाव है।

#### 4. बेरोज़गारी के कारण

1. **शिक्षा और कौशल का अंतर:** शिक्षा प्रणाली उद्योग की मांगों को पूरा करने में असमर्थ है, जिससे "स्किल गैप" की समस्या बढ़ रही है।

2. **अत्यधिक जनसंख्या:** उच्च जनसंख्या के कारण रोजगार के अवसरों पर दबाव बढ़ गया है।

3. **स्वचालन और प्रौद्योगिकी:** स्वचालन और तकनीकी प्रगति ने कई पारंपरिक नौकरियों को खत्म कर दिया है।

4. **कृषि पर निर्भरता:** भारत में अभी भी 50% से अधिक जनसंख्या कृषि पर निर्भर है, लेकिन यह क्षेत्र सीमित रोजगार प्रदान करता है।

5. **नीतिगत कमियाँ:** रोजगार सृजन में सरकारी नीतियों का प्रभाव सीमित रहा है।

#### 5. बेरोज़गारी का प्रभाव

1. **आर्थिक प्रभाव:** बेरोज़गारी से राष्ट्रीय आय में कमी, उपभोक्ता मांग में गिरावट, और आर्थिक असमानता बढ़ती है।

2. **सामाजिक प्रभाव:** बेरोज़गारी युवाओं में हताशा, मानसिक तनाव, और अपराध दर में वृद्धि का कारण बनती है।

3. **राजनीतिक प्रभाव:** युवा असंतोष सामाजिक अस्थिरता और विरोध प्रदर्शनों को बढ़ावा देता है।

#### 6. बेरोज़गारी से निपटने के उपाय

1. **कौशल विकास:** सरकार और निजी क्षेत्र को मिलकर रोजगारपरक प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाने चाहिए।

प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना जैसे कार्यक्रमों का विस्तार।

**2. नवाचार और स्टार्टअप प्रोत्साहन:** युवाओं को उद्यमिता की ओर प्रेरित करने के लिए वित्तीय और संरचनात्मक सहायता दी जानी चाहिए।

**3. सार्वजनिक और निजी क्षेत्र में रोजगार वृद्धि:** सार्वजनिक क्षेत्र की नौकरियों में पारदर्शिता लाना और निजी क्षेत्र में निवेश को प्रोत्साहित करना।

**4. शिक्षा प्रणाली में सुधार:** पाठ्यक्रम को उद्योग की मांगों के अनुरूप बनाने की आवश्यकता है।

**5. कृषि और ग्रामीण विकास:** ग्रामीण क्षेत्रों में गैर-कृषि रोजगार के अवसर बढ़ाना और कृषि क्षेत्र को आधुनिकीकरण करना।

**6. स्वतंत्रता और तकनीकी कार्य:** फ्रीलांस और डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से स्वरोजगार को बढ़ावा देना

### निष्कर्ष (Conclusion)

भारत की युवा शक्ति एक विशाल संसाधन है, लेकिन इसे सही दिशा में उपयोग करने के लिए ठोस कदम उठाने की आवश्यकता है। बेरोजगारी केवल आर्थिक समस्या नहीं है; यह एक सामाजिक और राजनीतिक चुनौती भी है। कौशल विकास, शिक्षा प्रणाली में सुधार, और रोजगार सृजन के माध्यम से इस चुनौती का समाधान किया जा सकता है।

सरकार, उद्योग, और समाज के सामूहिक प्रयास से युवाओं को न केवल रोजगार के अवसर दिए जा सकते हैं, बल्कि उन्हें राष्ट्र निर्माण में भागीदार भी बनाया जा सकता है। यदि भारत अपनी युवा शक्ति का सही उपयोग करता है, तो वह न केवल अपनी आंतरिक समस्याओं को हल करेगा, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी आर्थिक और सामाजिक नेतृत्व स्थापित कर सकता है।

### REFERENCES

- भारत सरकार, श्रम मंत्रालय की वार्षिक रिपोर्ट।
- "भारत में कौशल विकास: अवसर और चुनौतियाँ," नीति आयोग।
- विश्व बैंक की रिपोर्ट: "Unemployment and Youth in India, 2023"
- राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (NSO), बेरोजगारी रिपोर्ट, 2023।
- "Youth Power and Economic Growth," इंडियन जर्नल ऑफ डेवलपमेंट।